भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 735

26 जून, 2019 को उत्तर के लिए

भारत-फ्रांस संयुक्त नौसेना अभ्यास

735. डॉ0 सुभाष रामराव भामरे:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
डॉ0 हिना विजयकुमार गावीत:
डॉ0 अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्रीमति सुप्रिया सदानंद सुले:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल में 'वरूण 19.1' नामक प्रथम भारत-फ्रांस संयुक्त नौसेना अभ्यास संचालित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं तथा इसमें कितना व्यय किया गया;

(ग) उक्त संयुक्त नौसेना अभ्यास में कितने नौसेना कर्मियों और नौसेना पोतों ने भाग लिया;

(घ) आगामी तीन वर्षों में अन्य देशों के साथ किए जाने वाले संयुक्त नौसेना सैन्य अभ्यासों की संभावना का ब्यौरा क्या है और इसके परिणामस्वरूप नौसेना बलों को क्या लाभ होने की संभावना है; और

(ङ) सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ नौसेना-सहयोग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह)

(क) से (ङ) : जी, हां। भारतीय और फ्रांसीसी नौसेना के बीच होने वाले द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'वरूण' का अद्यतन अभ्यास मई, 2019 में आयोजित हुआ। यह अभ्यास समुद्र में

लम्बे समय तक उन्नत अभ्यास संचालित करने के उद्देश्य से दो चरणों में आयोजित किया गया। इस पर हुआ व्यय भारतीय नौसेना के सकल राजस्व व्यय से पूरा किया गया। नौसेना के सात आस्तियों (assets) और उनके कर्मीदलों नें इस अभ्यास में भाग लिया। भारतीय नौसेना द्वारा विदेशी मित्र देशों के साथ ये अभ्यास क्षेत्रीय सहयोग एवं अंतर-संक्रियता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभ्यासों के लिए अनुमोदित वार्षिक कैलेन्डर के अनुसार किये जाते हैं। भारतीय नौसेना द्विपक्षीय/बहुपक्षीय अभ्यासों, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, हाइड्रोग्राफी एवं यथापेक्षित मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) के क्षेत्रों में मित्र देशों के साथ शामिल हो रही है।

*****